IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 7.301

Volume 3, Issue 1, July 2023

# शैक्षणिक चिन्ता के सन्दर्भ में हरदोई जनपद में अध्ययनरत उच्च माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थियो की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन

**Dr. Surendra Pratap**

Associate Professor

Department of Education

Maharana Pratap Government Degree College, Hardoi, U.P., India

व्यक्ति के व्यवहारो की वे विशेषताएं जो विभिन्न परिस्थितियों में प्रकट होती है, शीलगुण कहलाती है। प्रत्येक शीलगुण भिन्न – भिन्न व्यक्तियों में भिन्न – भिन्न मात्रा में पाया जाता है। चिन्ता एक ऐसा शीलगुण है जो प्रत्येक व्यक्ति में कम या अधिक पाया जाता है। चिन्ता किसी दुर्घटना की आशंका से उत्पन्न भय की प्रतिक्रिया है जो व्यक्ति की मानसिक शक्ति को कम कर देती है। चिन्ता भय या आशंका के कारण उत्पन्न होती है। छात्रों के द्वारा अनुभव किया जाने वाला असफलता का भय शैक्षणिक चिन्ता है जिसके कारण छात्र विद्यालय में सम्प्राति के उचित मानक को प्राप्त नहीं कर पाता है। ( पाण्डेय , 1985) । संवेगात्मक बुद्धि अनुभूति के साथ चिन्तन को जोड़ती है। केरूसो (1999) के विचारों से स्पष्ट है कि संवेगात्मक बुद्धि से व्यक्ति अपने व दूसरों के संवेगो को समझने व उनका प्रबन्धन करने में सक्षम होता है व अपने संवेगों को विचारशील तरीके से प्रदर्शित करता है। इससे ध्वनित होता है। कि शैक्षणिक चिन्ता संवेगात्मक बुद्धि को प्रभाविक कर सकती है।

सन्दर्भः

[1]. **केरूसो डेविड आर0 (1999)**, एप्लाइंग द एबिलिटी मॉडल ऑव इमोशनल इण्टेलिजेंस टू द वर्ल्ड ऑव वर्क सिम्सबरी , चार्ल्स जे0 वोल्फ एसोसिएट्स , एल0 एल0 सी0।

[2]. **पाण्डेय , कल्पलता (1985)**,मैनुअल फार एकेडेमिक एंग्जाइटी वाराणसी रूपा सायकोसेण्टर।